|| हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे || हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ||

|| बाबा वाणी ||

- एक मना होन् - अर्थात मनुष्य का व्यवहार अन्दर तथा बाहर एक सा हो।
- माता पिता की सेवा ही उत्कृष्ट सेवा है।
- स्त्री के लिए उसका पति ही भगवान है।
- दरिद्र नारायण को भोजन कराने से मनुष्य कभी भी अभावग्रस्त नहीं होता है।
- अहंकार ही मनुष्य के पतन का मूल कारण है।
- जीवन में शान्ति के लिए नाम संकीर्तन ही अनमोल औषधि है।
- रोजाना माता पिता के चरणों को प्रणाम करना प्रत्येक मनुष्य का धर्म है।
- बड़ो का आदर करने से हम छोटों से आदर पाने के हकदार है।
- प्रत्येक जीव की सेवा ही सर्वोतम भगवत् पूजा है।
- निःस्वार्थ भजन कीर्तन ही भगवत् प्राप्ति का सुगम साधन है।
- हरि के स्वरुप से हरि का नाम श्रेष्ठ है।

|| हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे || हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ||

|| हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे || हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ||